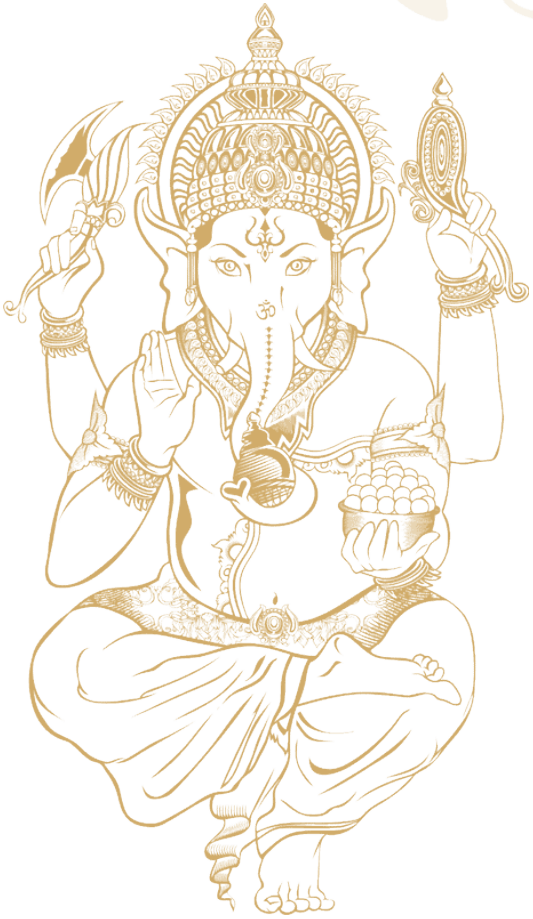

Harivansh Sharma

02 Sep 2005

07:16 AM

Vadodara

Model: web-freekundliweb

Order No: 121604402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/09/2005**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:16:00 घंटे**
इष्ट	02:19:36 घटी
स्थान	**Vadodara**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	22:19:00 उत्तर
रेखांश	73:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:38:56 घंटे
वेलान्तर	00:00:17 घंटे
साम्पातिक काल	05:24:12 घंटे
सूर्योदय	06:20:09 घंटे
सूर्यास्त	18:52:54 घंटे
दिनमान	12:32:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	15:45:53 सिंह
लग्न के अंश	27:47:15 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	परिघ
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डोभाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:47:15	333:22:17	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			सिंह	15:45:53	00:58:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	27:03:58	11:52:06	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			मेष	23:34:17	00:21:45	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	01:16:23	01:44:08	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	24:46:31	00:11:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	24:52:04	01:10:18	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	नीच राशि
शनि			कर्क	12:01:06	00:06:54	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	20:04:44	00:06:14	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	20:04:44	00:06:14	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	14:48:37	00:02:24	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	---
नेप	व		मक	21:37:41	00:01:27	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:53:21	00:00:01	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			वृष	27:50:29	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:07

लग्न-चलित

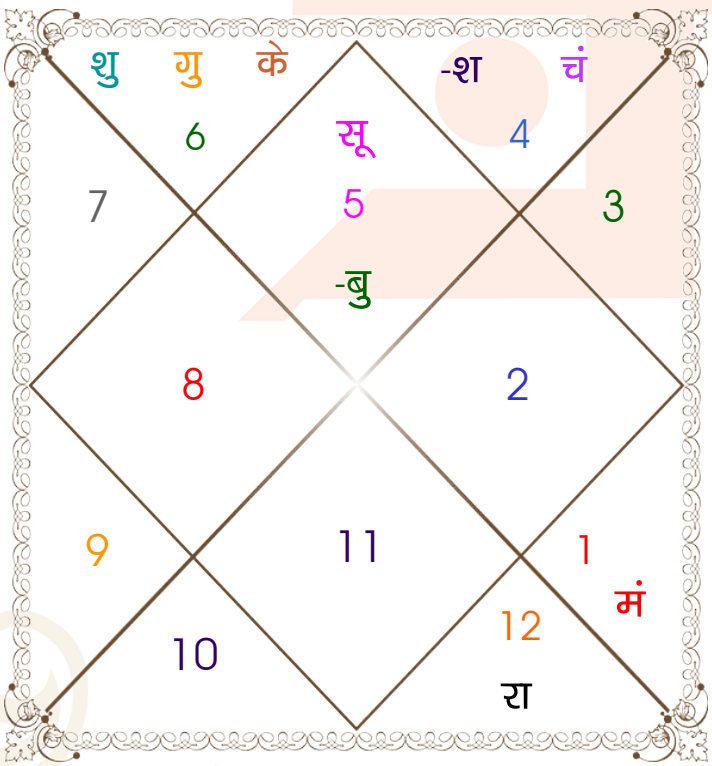

चन्द्र कुंडली

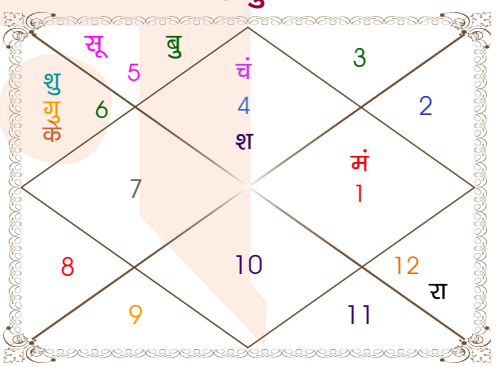

नवमांश कुंडली

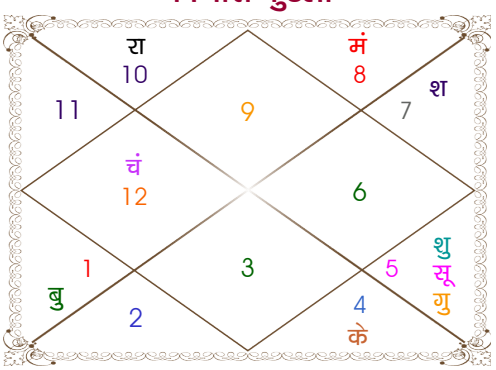

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 8 मास 27 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
02/09/2005		30/05/2009		30/05/2016		30/05/2036		30/05/2042	
30/05/2009		30/05/2016		30/05/2036		30/05/2042		30/05/2052	
	00/00/0000	केतु	26/10/2009	शुक्र	29/09/2019	सूर्य	16/09/2036	चंद्र	31/03/2043
	00/00/0000	शुक्र	26/12/2010	सूर्य	29/09/2020	चंद्र	18/03/2037	मंगल	30/10/2043
	00/00/0000	सूर्य	03/05/2011	चंद्र	30/05/2022	मंगल	24/07/2037	राहु	30/04/2045
	00/00/0000	चंद्र	02/12/2011	मंगल	30/07/2023	राहु	18/06/2038	गुरु	30/08/2046
	00/00/0000	मंगल	29/04/2012	राहु	30/07/2026	गुरु	06/04/2039	शनि	30/03/2048
	00/00/0000	राहु	18/05/2013	गुरु	30/03/2029	शनि	18/03/2040	बुध	29/08/2049
	02/09/2005	गुरु	24/04/2014	शनि	30/05/2032	बुध	22/01/2041	केतु	30/03/2050
गुरु	20/09/2006	शनि	03/06/2015	बुध	31/03/2035	केतु	30/05/2041	शुक्र	29/11/2051
शनि	30/05/2009	बुध	30/05/2016	केतु	30/05/2036	शुक्र	30/05/2042	सूर्य	30/05/2052

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/05/2052		31/05/2059		30/05/2077		30/05/2093		31/05/2112	
31/05/2059		30/05/2077		30/05/2093		31/05/2112		00/00/0000	
मंगल	26/10/2052	राहु	10/02/2062	गुरु	18/07/2079	शनि	02/06/2096	बुध	27/10/2114
राहु	13/11/2053	गुरु	05/07/2064	शनि	29/01/2082	बुध	10/02/2099	केतु	25/10/2115
गुरु	20/10/2054	शनि	12/05/2067	बुध	05/05/2084	केतु	22/03/2100	शुक्र	25/08/2118
शनि	29/11/2055	बुध	29/11/2069	केतु	11/04/2085	शुक्र	22/05/2103	सूर्य	01/07/2119
बुध	25/11/2056	केतु	17/12/2070	शुक्र	11/12/2087	सूर्य	03/05/2104	चंद्र	29/11/2120
केतु	24/04/2057	शुक्र	17/12/2073	सूर्य	29/09/2088	चंद्र	03/12/2105	मंगल	27/11/2121
शुक्र	24/06/2058	सूर्य	11/11/2074	चंद्र	29/01/2090	मंगल	12/01/2107	राहु	15/06/2124
सूर्य	30/10/2058	चंद्र	12/05/2076	मंगल	04/01/2091	राहु	18/11/2109	गुरु	03/09/2125
चंद्र	31/05/2059	मंगल	30/05/2077	राहु	30/05/2093	गुरु	31/05/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 3 वर्ष 8 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।